Department of commerce, Management A/c
B.com. - Final year
By- Premkumar

Meaning, Objectives And Limitations of Cash Flow Statement: —

रोकड़ प्रवाह विवरण का आशय (Meaning of cash Flow statement): —

किसी उपक्रम की Cash Flow statement रोकड़ की स्थिति में परिवर्तन के कारणों को स्पष्ट करता है। जिन व्यवहारों से रोकड़ (cash) स्थिति में वृद्धि होती है उन्हें cash inflow माना जाता है और जिन व्यवहारों से cash में कमी होती है उसे cash outflow कहा जाता है। Accounting standard - 3 के अनुसार रोकड़ (cash) के प्रवाह को तीन मुख्य क्रियाओं :- परिचालन क्रियाएँ (Operating Activities), विनियोजन क्रियाएँ (Investing Activities) और वित्तीय क्रियाएं (Financing Activities) में वर्गीकृत करके दिखाया जाता है।

Cash Flow statement को statement accounting for variation in cash अथवा statement of changes in financial Position on cash Basis भी कहा जाता है।

Objectives of cash Flow statement (रोकड़ प्रवाह विवरण के उद्देश्य):

रोकड़ (cash) किसी भी व्यवसाय का जीवन-रक्त होता है और रोकड़ का उचित एवं सतत प्रवाह व्यवसाय के स्वस्थ संचालन के लिए आवश्यक होता है। रोकड़ प्रवाह विवरण (cash flow statement) का उद्देश्य : —

Objectives of Cash Flow Statement:-

(i) Cash Flow Statement फर्म में रोकड़ शेष की कमी या वृद्धि के कारणों को स्पष्ट करता है।

(ii) रोकड़ प्रवाह विवरण अल्पकालीन वित्तीय नियोजन (Short-Term Financial Planning) का एक उपयोगी आधार है।

(iii) Cash Flow Statement फर्म की तरलता को अच्छे तरीके से स्पष्ट करता है इसीलिए बैंक द्वारा किसी फर्म की तरलता (Liquidity) के विश्लेषण में Cash Flow Statement का ही प्रयोग किया जाता है।

(iv) Cash Flow Statement के आधार पर विभिन्न उपक्रमों की परिचालन कुशलता की तुलना और मूल्यांकन सरलता से हो सकती है।

(v) Cash Flow Statement की सहायता से अनेक नीतियों जैसे दीर्घकालीन ऋणों का भुगतान करने, स्थायी सम्पत्तियों का विस्तार करने, लाभांश घोषित करने इत्यादि के निर्धारण में सहायता मिलती है।

(vi) Cash Flow Statement की ऐतिहासिक सूचनाएं भविष्य में cash Flow की राशि, समय और निश्चितता के महत्वपूर्ण संकेतक होते हैं।

(vii) Accounting Standard-3 के अनुसार बनाए जाने वाले cash Flow Statement में Operating Activities, Investing Activities एवं Financing Activities से प्राप्त होने वाले रोकड़ (cash) अलग-2 दिखाया जाता है।

Scanned with CamScanner

Limitations OF Cash Flow Statement (रोकड़ प्रवाह विवरण की कमियाँ) :—

(i) Secondary Data पर आधारित — cash Flow Statement की गणना Balance-Sheet एवं Income Statement में दिए गए सूचनाओं के आधार पर होता है। यदि वे सूचनाएँ गलत होंगी, तो Cash Flow Statement भी गलत सूचनाएँ देगा।

(ii) Short-Term Analysis (अल्पकालीन विश्लेषण) :— Cash-Flow Statement के द्वारा जो सूचनाएँ प्राप्त होती है वे फर्म के लिए सिर्फ Short-Term Planning में ही सहायता पहुँचाती है।

(iii) Cash Transactions को ही सम्मिलित करना :— cash Flow Statement की गणना cash आधारित व्यावसायिक लेन-देन के आधार पर किया जाता है। जिस लेन-देन से cash प्रभावित नहीं होता है, वह लेन-देन cash Flow Statement में शामिल नहीं किया जाता है।

(iv) लाभदायकता मापने के लिए सही नहीं (Not suitable for Judging the profitability :— cash Flow Statement किसी फर्म की लाभदायकता (Profitability) मापने के लिए सही तकनीक नहीं है क्योंकि यह Non-Cash Transactions को यह अपने में सम्मिलित नहीं करता है।

Scanned with CamScanner